सुन्दर बिलास

सुन्दरदासजी के जीवन-चरित्र सहित

जिस मैं उन महात्मा ने अति मनोहर सवैया और छंदों मैं गुरु भक्ति, बैराग्य, चितावनी आदि के सिवाय, वेदांत के गूढ़ विषय को बड़ी सरल और मृदु कविता मैं वर्णन किया है।

कठिन शब्दों के अर्थ व संकेत नोट मैं दे दिये गये हैं।

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्क्स मैं प्रकाशित हुआ।

सन् १९१४

पहिला एडिशन] [दाम ॥=)